कारोबार

www.naidunia.com

बाजार एक नजर में

सेंसेक्स ▲ 34305.43 +112.78	सोना ▼ 32000 -100	डॉलर 65.49 +0.29
निफ्टी ▲ 10528.35 +47.75	चांदी ▼ 39900 -100	पौंड 93.68 -0.29

लगकर आएगी वाहन में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट

जनवरी 2019 से पूरे देश भर में नंबर प्लेट लगे वाहन ही बिकेंगे

नई दिल्ली। ब्यूरो

अगले वर्ष से आपकी गाड़ी में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट फैक्ट्री से ही लग कर आएगी। इसके लिए आपको आरटीओ के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसके लिए सरकार केंद्रीय मोटर वाहन नियमावली के अलावा 2001 के सिक्योरिटी नंबर प्लेट आदेश में संशोधन करने जा रही है।

इस संबंध में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से मसौदा अधिसूचना जारी की गई है। इसके अनुसार एक जनवरी, 2019 से ग्राहकों

केंद्रीय मोटर नियमावली और संबंधित आदेश में संशोधन होगा

को बेचे जाने वाले सभी मोटर वाहनों में सिक्योरिटी नंबर प्लेट निर्माता के यहां से लगकर आएगी। जिन डीलरों के पास बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाले वाहनों का पुराना स्टॉक होगा उन्हें वाहन निर्माताओं द्वारा सिक्योरिटी प्लेटें दी जाएंगी और वे भी एक जनवरी, 2019 से वाहनों को सिक्योरिटी प्लेट लगाकर ही ग्राहकों को बेचेंगे।

इस निर्णय से सिक्योरिटी नंबर प्लेट की व्यवस्था स्वत: पूरे देश में लागू हो जाएगी। अभी यूपी समेत कई राज्यों में सिक्योरिटी नंबर प्लेट की व्यवस्था लागू नहीं हुई है। जबकि दिल्ली में यह व्यवस्था लागू हो चुकी है। वाहनों में सिक्यूरिटी नंबर प्लेट की व्यवस्था का एलान केंद्र ने 2001 में किया था। इसमें राज्यों को अपने स्तर पर निविदाएं आमंत्रित करने का अधिकार दिया गया था।

ठेकों को लेकर विवाद

कई राज्यों में ठेकों को लेकर विवाद सामने आने के बाद 2016 में सुप्रीम कोर्ट ने हर राज्य में सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने के लिए एक एजेंसी नियु क्त करने का आदेश दिया था। पांच वर्ष के बजाय 15 वर्षों तक नंबर प्लेट के खराब न होने की गारंटी के साथ क्वालिटी में सुधार सुनिश्चित किया जाएगा। अभी वाहनों में नंबर प्लेट लगाने का जिम्मा आरटीओ के पास है जो नंबर प्लेट बनाने वाली कंपनियों के साथ इसे अंजाम देता है।

जीएसटी 'रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म' लाने की कवायद

मंत्री समूह मंगलवार को रिटर्न आसान बनाने पर भी करेगा चर्चा

नई दिल्ली। ब्यूरो

जीएसटी चोरी रोकने के इरादे से 'रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म' संबंधी प्रावधान को पुन: लागू करने की कवायद शुरू हो गयी है। बिहार के उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी की अध्यक्षता वाले जीएसटी काउंसिल के मंत्री समूह ने सोमवार को इस बारे में प्रारंभिक चर्चा की। माना जा रहा है कि मंत्री समूह आने वाले दिनों में एक-दो बैठक और करेगा जिसके बाद यह तय होगा कि 'रिजर्व चार्ज मैकेनिज्म' कब से लागू किया जाए। मंत्री समूह मंगलवार को जीएसटी रिटर्न आसान बनाने पर चर्चा भी

ई-वे बिल के क्रियान्वयन का भी जायजा लेगा मंत्री समूह

करेगा। साथ ही ई-वे बिल के अब तक के क्रियान्वयन का जायजा भी लेगा।

मोदी की अध्यक्षता वाले इस मंत्री समूह का गठन जीएसटी काउंसिल ने 21 मार्च को किया था। समूह को 27 अप्रैल तक रिपोर्ट देनी है। इसमें छत्तीसगढ़, केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री बतौर सदस्य शामिल हैं। मंत्री समूह की पहली बैठक के बाद मोदी ने कहा कि 'रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म' कब से और किस वर्ग के व्यापारियों पर लागू किया जाए, इस संबंध में प्रारंभिक चर्चा हुई। अभी इस संबंध में और विचार विमर्श किया जाएगा। दरअसल सीजीएसटी और एसजीएसटी कानून की धारा 9 (4) के तहत 'रिवस चार्ज मैकेनिज्म' का प्रावधान है लेकिन इसके क्रियान्वयन को लेकर छोटे और बड़े दोनों तरह के व्यापारियों को आपत्ति रही है।

क्या है 'रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म'

सीजीएसटी और एसजीएसटी कानून की धारा 9 (4) और आईजीएसटी कानून की धारा 5 (4) के तहत 'रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म' का प्रावधान है। इसका मतलब है कि अगर कोई पंजीकृत व्यापारी, किसी अपंजीकृत व्यापारी से एक दिन में पांच हजार रुपए से अधिक का सामान खरीदता है या सेवा प्राप्त करता है तो जीएसटी जमा करने की जिम्मेदारी पंजीकृत व्यापारी की होगी। उन्हें बही-खाते में इसे दर्ज करते हुए जीएसटी का भुगतान खुद करना होगा।

न्यूज गैलरी

ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन के लिए लाइसेंस की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। ऊर्जा मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ई-वाहन) की बैटरी चार्जिंग को सेवा के रू प में वर्गीकृत किया है। मंत्रालय के इस कदम से इन वाहनों के बैटरी चार्जिंग स्टेशनों के परिचालन के लिए किसी लाइसेंस की जरूरत नही रहेगी। इससे ई-वाहनों के उपयोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। (एजेंसी)

ट्राई के पोर्टल पर मिलेगी सभी मोबाइल प्लानों की जानकारी

नई दिल्ली। उपभोक्ताओं को मोबाइल कंपनियों के चार्ज की तुलनात्मक जानकारी के लिए अगल-अलग जानकारी जुटाने की जरू रत नही होगी। टेलीकॉम रेगुलेटर ट्राई ने बीटा वर्जन की एक वेबसाइट लांच की है जिस पर उपभोक्ता सभी कंपनियों और सभी क्षेत्रों की मोबाइल सेवाओं के टैरिफ की तुलनात्मक जानकारी पा सकेंगे। यह कदम पारदर्शिता लाने और टैरिफ की तुलना की सुविधा देने के लिए उठाया गया है। (एजेंसी)

जेपी एसोसिएट्स 10 मई तक जमा कराए 100 करोड़

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जयप्रकाश एसोसिएट्स को 10 मई तक 100 करोड़ रुपए जमा कराने का आदेश दिया है। यह रकम अदालत की रजिस्ट्री के पास जमा करानी होगी। चीफ जस्टिस की बेंच ने इनसॉल्वेंसी रिसॉल्यूशन प्रोफेशनल (आईआरपी) को निर्देश दिया है कि कंपनी की अपील पर कानून के हिसाब से गौर किया जाए। (एजेंसी)

पिछले साल नवंबर के बाद घरेलू बाजार में जारी रहने वाली सबसे लंबी तेजी

सेंसेक्स लगातार आठवें दिन चढ़ा इस दौरान 1,286 अंकों की तेजी

मुंबई। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में ट्रेडिंग वाले लगातार 8वें दिन तेजी दर्ज की गई। इस दौरान सेंसेक्स में 1,286.66 अंकों का उछाल आया। अर्थव्यवस्था से जुड़े एक के बाद एक सकारात्मक आंकड़े जारी होने से निवेशकों का उत्साह बढ़ा हुआ है।

सोमवार को एफएमसीजी, फार्मा, बैंकिंग, रियल्टी, कैपिटल गुड्स और पावर शेयरों में जोरदार खरीदारी से बाजार को सहारा मिला है। सेंसेक्स 112.78 अंक यानी 0.33 फीसदी तेजी के साथ 34,305.43 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 47.75 अंक या 0.46 फीसदी बढ़त लेकर 10,528.35 के स्तर पर रहा। कमजोर शुरुआत के बावजूद निचले स्तरों से अच्छी रिकवरी देखने को मिली। इससे पहले लगातार 7 कारोबारी सत्रों के दौरान यह बेंचमार्क इंडेक्स 1,173.88 अंक चढ़ा था।

एफएमसीजी, फार्मा, बैंकिंग, रियल्टी, कैपिटल गुड्स और पावर शेयरों में जोरदार खरीदारी

तेजी के प्रमुख कारण

1. मार्च में थोक भाव की महंगाई दर पिछले 9 महीनों में सबसे कम 2.47 फीसदी रह गई।
2. पिछले महीने खुदरा कीमतों के हिसाब से महंगाई दर 5 महीनों के निचले स्तर 4.28 फीसदी पर आ गई।
3. अब इस बात की संभावना काफी बढ़ गई है कि रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दरें घटाने पर विचार करेगा।
4. फरवरी में औद्योगिक उच्त्पादन की वृद्धि दर बढ़कर 7.1 फीसदी हो गई, जो आर्थिक मजबूती का संकेत है।
5. मौसम विभाग के मुताबिक इस वर्ष लगातार तीसरे साल मॉनसून की बारिश सामान्य रहने का अनुमान है।

फार्मा शेयरों ने दिखाया दम

बीएसई के मिडकैप इंडेक्स में 0.3 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.6 फीसदी तेजी दर्ज की गई। बैंक निफ्टी 0.5 फीसदी बढ़त पर बंद हुआ। हालांकि आईटी, सरकारी बैंक, कंज्यूमर ड्युरेबल्स और तेल-गैस शेयर बिकवाली के दबाव में नजर आए। सिप्ला, ग्रासिम, यूपीएल, हीरो मोटो, कोटक महिंद्रा, अडाणी पोर्ट्स, बजाज ऑटो और महिंद्रा एंड महिंद्रा 5.2-1.6 फीसदी बढ़त पर बंद हुए।

रुपया गिरकर 65.5 प्रति डॉलर के करीब आया

शेयर बाजार में तेजी के बावजूद डॉलर के मुकाबले रुपए में भारी कमजोरी आई। एक अमेरिकी डॉलर की वैल्यू 29 पैसे बढ़कर 65.49 रुपए हो गई। शुक्रवार को रुपया 65.20 प्रति यूएस डॉलर बंद हुआ था। कच्चे तेल के दाम बढ़ने के कारण इसके आयात के लिए डॉलर की मांग बढ़ना रुपए में कमजोरी की सबसे बड़ी वजह रही।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

अब निवेशकों का ध्यान कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगा। इसके आलवा वे दुनियाभर में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव कम होने की उम्मीद भी कर रहे हैं। खास तौर पर यह उम्मीद कि सीरिया को लेकर अमेरिका और रूस के बीच कोई नया बखेड़ा खड़ा न हो। **-विनोद नायर**, रिसर्च हेड, जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज

एस्सार पावर झारखंड के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया की मंजूरी

कंपनी पर 3,468 करोड़ रुपए का कर्ज है बकाया

आईसीआईसीआई की याचिका पर एनसीएलटी ने दिया आदेश

नई दिल्ली। एजेंसी

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने कर्ज में डूबी एस्सार पावर झारखंड लिमिटेड (ईपीजेएल) के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की मंजूरी दे दी है। कंपनी को कर्ज देने वाले आईसीआईसीआई बैंक के अनुरोध पर यह फैसला किया गया। एनसीएलटी की प्रधान पीठ ने एक अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की नियुक्ति की है।

इन्सॉल्वेंसी एंड बैंक्रप्सी कोड (आइबीसी) के तहत एनसीएलटी ने ईपीजेएल द्वारा संपत्तियों के हस्तांतरण या बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। जस्टिस एम. एम. कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की अपील को स्वीकारते हुए हुजेफा फाखरी सितबखान को अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आईआरपी) नियुक्त किया। फैसले की प्रति एनसीएलटी की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। आईसीआईसीआई बैंक के मुताबिक, कंपनी पर 3,468.29 करोड़ रुपए का कर्ज बकाया है। एनसीएलटी ने कहा कि ईपीजेएल से जुड़े कर्मी या इसके प्रमोटर या प्रबंधन से जुड़ा कोई भी व्यक्ति कंपनी से जुड़े मामलों के प्रबंधन के दौरान जरू रत पड़ने पर आईआरपी की सहायता करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य होंगे।

आलोक इंडस्ट्रीज के लिए कोई प्लान नहीं हो सका मंजूर

आलोक इंडस्ट्रीज की क्रेडिटर्स कमेटी (सीओसी) ने 270 दिन की सीमा पूरी होने के बाद भी कंपनी के लिए किसी रिजॉल्यूशन प्लान को मंजूरी नही दी है। बीएसई फाइलिंग में कंपनी ने बताया कि कंपनी के लिए कॉरपोरेट इन्सॉल्वेंसी प्रक्रिया की समयसीमा 14 अप्रैल, 2018 को समाप्त हो गई। एक दिन पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बताया था कि सीओसी ने उसकी ओर से जमा किए गए रिजॉल्यूशन प्लान को अस्वीकार कर दिया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जेएम फाइनेंशियल एसेट रीकंस्ट्रक्शन कंपनी के साथ मिलकर प्लान पेश किया था।

इलेक्ट्रोस्टील के आइआरपी पर जुर्माना

इन्सॉल्वेंसी एंड बैंक्रप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया (आईबीबीआई) ने इलेक्ट्रोस्टील स्टील्स लिमिटेड के आइआरपी धैवत अंजारिया पर जुर्माना लगाया है। उन पर कंपनी के एक ऑपरेशनल क्रेडिटर के दावे को नजरअंदाज करने का आरोप है। अंजारिया को अपनी कुल फीस का 10वां हिस्सा जुर्माने के रू प में जमा कराना होगा। आइबीबीआई ने कहा कि ऐसे मामलों में नुकसान के तीन गुने के बराबर जुर्माना लग सकता है। हालांकि अंजारिया इस प्रक्रिया से नए जुड़े हैं। क्रेडिटर के दावे को भी बाद में स्वीकार कर लिया गया, इसलिए कम जुर्माना लगाया गया है।

सराफा बाजार

वायदा उछला, सोना-चांदी तेज

इंदौर। कॉमेक्स वायदे में आए उछाल के असर से सोना-चांदी में तेजी का रुख बना है। शादी-ब्याह की मांग के समय आई इस तेजी से हाजर की ग्राहकी पर असर पड़ा है। कारोबारियों के अनुसार वायदे में अगर और तेजी आती है तो ग्राहकी के इस मौसम में बाजार खराब हो सकता है। कॉमेक्स वायदा सोने में नीचे के भाव से अधिक तेजी दिखा रहा है। जबकी चांदी में 12 से 15 सेंट की तेजी रही। इसके असर से हाजर में भी दोनो ही धातुओं में तेजी का रुख देखा गया।

कॉमेक्स में सोना ऊपर में 1347.50 नीचे में 1342.80 रनिंग में 1345.60 डॉलर और चांदी ऊपर में 1668 नीचे में 1654 रनिंग में 1659 सेंट रही। सोना ऊपर में 32025 नीचे में 31960 रु. चांदी ऊपर में 39675 नीचे में 39475 रुपए। इंदौर सराफा बाजार में चांदी चौरसा 39575 रु.। सिक्का 625 रु.। सोना 10 ग्रा. 31980 रुपए।

रतलाम सराफा

चांदी चौरसा 39450 टंच 39550 सोना स्टैंडर्ड 32075 सोना रवा 32000 रु.।

उज्जैन सराफा

सोना स्टैंडर्ड 32100 सोना रवा 32200 चांदी पाट 39600 चांदी टंच 39700 सिक्का 650 रुपए प्रति नग।

विश्व बाजार में भारतीय समयानुसार शाम 7.00 बजे सोना 1350 डॉलर, चांदी 1672 सेंट। इंदौर में सोना कैडबरी 10 ग्राम 32060 चांदी 39775 रुपए।

अंचल की मंडियों के भाव

दाहोद : गेहूं 147- 1700 से 1900 लोकवन 1675 से 1750 धान टुकड़ी 1550 से 1560 मक्का सफेद 1170 से 1425 पीली 1230 से 1305 सोयाबीन 3750 से 3775 तुवर सफेद 3550 से 3725 लाल 3300 से 3425 चना 3450 से 3580 उड़द 3000 से 3600 मूंग 4500 से 5000 अरंडी 3500 से 3600 रुपए।

जावरा : गेहू 1550 से 1700 लोकवान 1700 से 2050, मक्का 1200 से 1300, सोयाबीन 3500 से 3700 मैथी 3000 से 3500 वेस्ट 3500 से6000 चना 3500 से 3550 डॉलर 5000 से 6200 अजवाइन 3200 से 8500 रावा 3400 से 3600 धनिया 4000 से 4800 अलसी 3400 से 3600 खसखस 35000 से 50000 मसुर 3200 से 3450 कलोंजी 8000 से 8500 उड़द 2000 से 3000 तुलसी 8000 से 9200 असालिया 3200 से 3450 तील 6000 से 6400 प्याज 300 से 600 लहसुन 700 से 1500 बेस्ट 1500 से 2000 रुपए।

अंजड़। डालर चना 5010 से 5905, मॉडल भाव 5620, आवक 01 बैलगाड़ी व 19 वाहन। कपास 3600 से 4995, मॉडल भाव 4375, आवक 01 बैलगाड़ी व 29 वाहन।

सैलाना : गेहूं 1400 से 1760 चना देशी 3001 से 3451 डॉलर 3851 से 5321 सोयाबीन 3352 से 3629 मसूर 2551 से 3450 मैथी 3200 से 4951 अलसी 3130 से 3351 रायड़ा 3499 से 3530 लहसुन 300 से 2100 प्याज 51 से 472 रु.। **नामली :** गेहूं 1550 से 1740 सोयाबीन 3450 से 3620 लहसुन 800 से 2200 रु.।

पिपलौदा : लहसुन 251 से 1650 रु.।

बड़ावदा : सोयाबीन 3560 गेहूं 1550 से 1625 मैथी 3000 से 3500 चना देशी 3125 विशाल 3150 से 3250 लहसुन 500 से 3013 रु.।

नीमच : गेहूं 1550 से 2000 जौ 1250 से 1300 मक्का 1150 से 1250 सोयाबीन 3500 से 3670 रायडा 3300 से 3450 मूंगफली 2500 से 3400 चना 3000 से 3550 उड़द 2600 से 3600 तुवर 3000 से 4000 मसूर 3000 से 3500 पोस्ता 37000 से 54000 मैथी 2800 से 3300 धनिया 4000 से 6300 इसबगोल 6000 से 7500 कलौंजी 7000 से 8780 जीरा 13000 से 15500 तिल्ली 6000 से 7200 लहसुन मीडियम 600 से 1200 अजवाइन 6000 से 8300 रुपए।

मंदसौर : मक्का से 1190 से 1311 सोयाबीन 3300 से 3640 उड़द 2719 से 3536 गेहूं 1480 से 1801 चना 3200 से 3350 मसूर 2700 से 3400 मैथी 2850 से 3950 धनिया 3350 से 4600 अलसी 3350 से 3670 सरसो 3280 से 3520 कलौंजी 3901 से 8800 प्याज 200 से 580 असालिया 3160 से 3480 इसबगोल 6250 से 7020 तारामीरा 4051 से 4239 चना डॉलर 4550 से 5800 जौ 1200 रुपए।

खरगोन : कपास 3300-5020-160 वाहन, गेहूं 1590-1830, चना 3130-3356, ज्वार 1100-1125, मक्का 838-1162, तुअर 3000-3660, सोयाबीन 3396-3607, डालर चना 5042-5812, सरसों 3120 रुपए।

बड़वाह : कपास 3000-5000, गेहूं 1623-1853, मक्का 1100, चना 3000-3650, डालर चना 4500-5655, तुअर 3480-3500 रुपए।

सनावद : गेहूं 1595-1776, चना 3195-4000, डालर चना 4800-6070, सोयाबीन 3201-3201, मक्का 1065-1153, तुअर 3595-3606 रुपए।

मावा बाजार

- **इंदौर-** 260 रुपए किलो।
- **रतलाम-** सफेद व पीला 225 रु.।
- **उज्जैन-** 184 रुपए किलो।
- **जावरा-** 200 रुपए किलो।

सरकार, शकर उद्योग में तकरार की नौबत

विवाद की वजह : शकर मिलों पर गन्ना किसानों का बकाया 1,600 करोड़ रुपए के पार

इंदौर। व्यापार प्रतिनिधि

लगातार गिरते भाव के कारण खराब माली हालत का सामना कर रहे शकर उद्योग और सरकार के बीच गन्ना किसानों का बकाया बढ़ने के कारण तकरार की नौबत आ गई है।

सरकार की राय है कि शकर उद्योग को सभी संभव मदद की जा चुकी है। दूसरी तरफ मिलों का कहाना है कि सरकारी प्रयासों की बदौलत न तो भाव में मंदी रुकी और न ही बिक्री में इजाफा हुआ। ऐसे में शकर मिलों पर किसानों का

बकाया 1,600 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर जा पहुंचा है और निकट भविष्य में इसके भुगतान का कोई रास्ता भी नजर नहीं आ रहा है। मिलों के अनुसार शकर के भाव नीचे होने से और इन भावों पर भी खरीदार कमजोर होने से भुगतान में विलंब हो रहा है। केंद्रीय खाद्य मंत्री रामविलास पासवान ने गन्ने की खेती करने वाले राज्यों से कहा है कि सरकार किसानों के बकाए को लेकर शकर मिलों के साथ किसी भी तरह के समझौते के मूड में नहीं है।

मिलों पर कार्रवाई का निर्देश

केंद्र सरकार ने राज्यों को किसानों का भुगतान न करने वाली शकर मिलों के खिलाफ जरूरी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पिछले साल दिसंबर से केंद्र ने जोरदार उपज की वजह से शकर के भाव में तेज गिरावट रोकने के लिए विभिन्न उपायों की घोषणा की थी। लेकिन, अब तक इनका ज्यादा असर नहीं हुआ।

सरकार का रुख सख्त

पासवान ने कहा कि सरकार शकर मिलों की मुश्किलों को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है क्योंकि सरकार ने उन्हें हर संभव सहायता पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि इसके बजाए हम किसानों के बकाए को लेकर चिंतित हैं और राज्यों से कह चुके हैं कि भले ही भुगतान न करने वाली शकर मिलों की संपत्ति जब्त करें या फिर उन्हें बेच डालें, लेकिन किसानों के बकाए का भुगतान हर हाल में होना ही चाहिए।

डबल बुल के साथ सीमेंट कारोबार में उतरी इमामी

बिजनेस न्यूज

नई दिल्ली। इमामी ग्रुप ने हाल ही में सीमेंट कारोबार शुरू किया है। यह कारोबारी समूह एफएमसीजी, खाद्य तेल, पेपर, रियल एस्टेट और हेल्थ केयर सेक्टर में पहले बिजनेस कर रहा है। अब इसने सीमेंट सेक्टर में धमाकेदार एंट्री मारी है।

इमामी सीमेंट 'इमामी डबल बुल सीमेंट ब्रांड नाम से बाजार में उपलब्ध है। ब्रांड के नाम से ही स्पष्ट है कि कंपनी दर्शाना चाहती है कि इसकी मजबूती उम्मीद से बेहतरी होगी। इस सीमेंट का फोकस लेटेस्ट इंटरनेशनल टेक्नोलॉजी पर है। इसका अत्याधुनिक कारखाना रिस्डा (पश्चिम बंगाल) में है। इमामी डबल बुल ब्रांड का 70 फीसदी सीमेंट पोर्टलैंड पॉजोलोना सीमेंट और पोर्टलैंड स्लैग सीमेंट का मिश्रण होता है। इस वजह से कार्बन फूटप्रिंट में कमी आती है। इमामी डबल बुल सीमेंट सभी तरह के क्वालिटी वेरिएंट, मसलन ओपीसी 43, ओपीसी 53, पीपीसी और पीएससी में उपलब्ध है। इसका प्रीमियम पीएससी ब्रांड यूनिक नेम 'शुभ के तहत बाजार में उपलब्ध है।

मार्च की थोक महंगाई 9 महीनों में सबसे कम

नई दिल्ली। एजेंसी

मार्च में थोक भाव के हिसाब से महंगाई दर पिछले 9 महीनों के सबसे निचले स्तर 2.47 फीसदी पर रही। फरवरी में थोक भाव की महंगाई दर 2.48 फीसदी और जनवरी में 2.84 फीसदी थी, जो बाद में संशोधित होकर 3 फीसदी हो गई थी।

मार्च की महंगाई दर पिछले साल जुलाई के बाद सबसे कम है। माह दर माह आधार पर मार्च में कारखानों में तैयार चीजों की थोक महंगाई 3.04 से घटकर 3.03 फीसदी रह गई। प्राइमरी आर्टिकल्स की महंगाई भी 0.79 से घटकर 0.24 फीसदी रही, लेकिन ईंधन व ऊर्जा की महंगाई 3.81 से बढ़कर 4.70 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई।

पिछले माह घटकर 2.47 फीसद रही महंगाई दर

खाने की चीजों के भाव घटे

माह दर माह आधार पर मार्च के दौरान थोक में खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर 0.07 से घटकर -0.07 फीसदी रह गई। इसका मतलब है कि भाव थोड़े-बहुत बढ़ने के बजाए घटे हैं।

अक्षय तृतीया पर ह्युंडई मोटर इंडिया को मिला बेहतरीन रिस्पांस

भोपाल। ह्युंडई मोटर इंडिया लिमिटेड को आगामी अक्षय तृतीया व पुष्य नक्षत्र के मौके पर मप्र के सभी डीलरशिप पर बेहतरीन रिस्पांस देखने को मिल रहा है। ग्राहकों को कार बुकिंग के लिए विशेष सुविधा दी गई है। ह्युंडई हमेशा अपने ग्राहकों की जरूरत व पसंद के अनुसार अपनी कार श्रृंखला के विभिन्न मॉडल्स में विश्वस्तरीय बदलान करती रहती है। कंपनी ने ईऑन पर 61,500 रुपए, ग्रांड आई 10 पर 77,500 रुपए और एक्सेंट पर 78,500 रुपए की विशेष बचत का ऑफर पेश की है। फीफा वर्ल्ड कप टूर स्कीम को भी ग्राहकों द्वारा कॉफी पसंद किया जा रहा है। **-विज्ञप्ति**

अक्षय तृतीय पर एटी ज्वेलर्स पर हर खरीद पर पाएं सोने के सिक्के

अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स में ग्राहक अपनी पसंद की ज्वेलर्स खरीदती हुई।

भोपाल। मध्य भारत के प्रतिष्ठित एवं विश्वसनीय एटी ज्वेलर्स अपने वैवाहिक एंटिक गहनों के लिए जाने जाते हैं। कंपनी ने 100 प्रतिशत सर्टिफाइड डायमंड ज्वेलरी की पेशकश भोपाल के रोशनपुरा चौराहा स्थित शोरूम में प्रस्तुत की है। यहां पर सर्वश्रेष्ठ ज्वेलरी की विस्तृत रेंज उपलब्ध है। अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स अक्षय तृतीया पर हर खरीदी पर सोने के सिक्के ऑफर लाए है। यह ऑफर 22 अप्रैल तक है। उक्त जानकारी एटी ज्वेलर्स के डायरेक्टर सौरभ बरड़िया ने दी। उन्होंने बताया कि एटी ज्वेलर्स एंटिक गोल्ड ब्राइडल आभूषणों के नवीनतम कलेक्शन मौजूद है। डायमंड में अंगूठी, टॉप्स, मंगलसूत्र, नेकलेस, चुडियां शो रूम की पहचान है। अक्षय तृतीया पर ग्राहकों का ढेर सारा प्रतिसाद मिल रहा है। **-विज्ञप्ति**

रिपोर्ट

पुणे दूसरे और दिल्ली तीसरे स्थान पर, फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर में होती है सबसे ज्यादा कमाई

पेशेवरों को बेंगलुरु में मिलता है सबसे ज्यादा वेतन

नई दिल्ली। एजेंसी

पेशेवरों के लिहाज से बेंगलुरु देश का सबसे अच्छा शहर है। 10.8 लाख रुपए के सालाना औसत के साथ यहां के पेशेवर सबसे ज्यादा वेतन पाते हैं। इसी तरह सेक्टर के हिसाब से फार्मा और हेल्थकेयर में सबसे ज्यादा वेतन मिलता है। प्लेसमेंट एजेंसी रैंडस्टेड की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पेशेवरों को वेतन देने के मामले में देश की आइटी राजधानी कही जाने वाली बेंगलुरु के बाद पुणे का स्थान है। यहां पेशेवरों की औसत सालाना सीटीसी (कॉस्ट टू कंपनी) 10.3 लाख रुपए है। 9.9 लाख रुपए औसत वेतन के साथ दिल्ली-एनसीआर तीसरे, 9.2 लाख रुपए के साथ मुंबई चौथे और आठ

लाख रुपए के साथ चेन्नई इस मामले में पांचवें स्थान पर है। हैदराबाद (7.9 लाख रुपए) और कोलकाता (7.2 लाख रुपए) इस सूची में क्रमश: छठे और सातवें स्थान पर रहे।

रैंडस्टेड इंडिया के एमडी और सीईओ पॉल डुपनिस ने कहा कि वेतन की बेहतर और मजबूत व्यवस्था किसी भी कंपनी में अनुभवी लोगों को बनाए रखने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक है। रैंडस्टेड की इनसाइट्स सैलरी ट्रेंड्स रिपोर्ट 2018 में बेहतर वेतन के हिसाब से अलग-अलग सेक्टर की पहचान भी की गई। इस मामले में 9.6 लाख रुपये के सालाना वेतन के साथ फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर सबसे ऊपर है। जीएसटी लागू होने के बाद से विशेषज्ञों की बढ़ी मांग ने पेशेवर सेवाओं को सूची में दूसरे स्थान पर आने में मदद की। इस सेक्टर में औसतन 9.4 लाख रुपए का सालाना वेतन मिलता है। 9.2 लाख रुपये की औसत सालाना सीटीसी के साथ एफएमसीजी सेक्टर तीसरे स्थान पर है।

परामर्श सेवाओं में सबसे ज्यादा वेतन

काम के प्रकार के हिसाब से परामर्श सेवाओं में सबसे ज्यादा वेतन मिलता है। कुछ ऐसी भूमिकाएं भी हैं, जिनमें छह से 10 साल का अनुभव होने के बाद तुलनात्मक रू प से ज्यादा वेतन मिलता है। इस मामले में विशेषज्ञ चिकित्सकों का स्थान सबसे ऊ पर है। विशेषज्ञ चिकित्सकों को औसतन 18.4 लाख रुपये का सालाना वेतन मिलता है। सॉल्यूशन आर्किटेक्ट की औसत सालाना सीटीसी 15.1 लाख रुपये, प्रोडक्ट इंजीनियरिंग विशेषज्ञ की सालाना सीटीसी 14.8 लाख रुपए और ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ की औसत सालाना सीटीसी 14.6 लाख रुपये होती है।

भारत को सालाना 81 लाख रोजगार सृजन की जरूरत

भारत में हर महीने 13 लाख लोग रोजगार योग्य आयु में शामिल हो जाते हैं। ऐसे में रोजगार की दर को बनाए रखने के लिए

यहां सालाना 81 लाख रोजगार सृजित करने की जरू रत है। विश्व बैंक की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। विश्व बैंक ने कहा कि भारत नवंबर, 2016 में नोटबंदी और जुलाई, 2017 में जीएसटी की नई व्यवस्था के दवाब से उबर चुका है। भारत फिर सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन गया है। विश्व बैंक ने कहा कि भारत को निवेश बढ़ाने और निर्यात पर जोर देना चाहिए।

एसके बंसल ने कार्यभार ग्रहण किया

भोपाल। मुख्य महाप्रबंधक एसके बंसल ने सोमवार को नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल में कार्यभार ग्रहण किया। बंसल

के पास वित्त तथा बैंकिंग गतिविधियों का तीन दशक से अधिक कार्यकाल का विस्तृत अनुभव है। भोपाल में कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व उन्होंने नाबार्ड के मुंबई स्थित प्रधान कार्यालय में वित्त विभाग का नेतृत्व किया तथा नाबार्ड के संपूर्ण संसाधन प्रबंधन, वित्तीय आयोजना, ट्रेजरी ऑपरेशन, विदेशी विनिमय प्रबंधन तथा निवेशकों से संबंधित मामलों का दायित्व संभाला है। बंसल ने चार्टर्ड एकाउन्टेंट तथा कॉस्ट एकाउन्टेंट की योग्यता के साथ-साथ आईसीएफएआई में हैदराबाद से ट्रेजरी तथा विदेशी विनिमय प्रबंध में डिप्लोमा भी किया है।